

फॉर्म संख्या 7

FORM NO. 7

गृह निर्माण अग्रिम के लिए प्रतिहस्तांतरण पत्र का प्रारूप
Form of Reconveyance for House Building Advance

नियम 8 (घ) देखें

{Vide Rule 8 (d)}

यह प्रतिहस्तांतरण विलेख एक पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे "बंधकदार" कहा गया है और इसके अंतर्गत उसके पदोत्तरवर्ती और समनुदेशिनी भी हैं) जब तक कि ऐसा विषय या संदर्भ से अपवर्जित या उसके विरुद्ध नहीं है और दूसरे पक्षकार के रूप में और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान(भारत सरकार) के (जिसे इसमें आगे "बंधककर्ता" कहा गया है और इसके अंतर्गत उसके वारिस, निष्पादक, प्रशासक और समनुदेशिनी भी हैं) जब तक कि ऐसा विषय या संदर्भ से अपवर्जित या उसके (विरुद्ध नहीं है) के बीच आज तारीख..... को किया गया है।

THIS DEED OF RECONVEYANCE IS MADE THIS..... day of 20..... BETWEEN THIS PRESIDENT OF INDIA (hereinafter called the Mortgagee which expression shall unless excluded by or repugnant to the subject or context include his successors in office and assign) of the one part andof National Informatics Centre (Govt. of India) (Hereinafter called the Mortgagor which expression shall unless excluded by or repugnant to the subject or context include his/her heirs, executors, administrators and assigns) of the other part.

एक पक्षकार के रूप में बंधनकर्ता और दूसरे पक्षकार के रूप में बंधकदार के बीच तारीख को किए गए बंधक करार द्वारा जो में पुस्तक संख्या जिल्हा संख्या से तक में संख्या के रूप में के लिए राजिस्ट्रीकृत है (जिसे इसमें आगे मूल-करार कहा गया है) बंधककर्ता में स्थित संपत्ति को, जिसका अधिक और विशिष्ट रूप में वर्णन इसमें आगे लिखी अनुसूची में दिया गया है, बंधककर्ता द्वारा बंधककर्ता को किए गए रूप के अग्रिम को प्रतिभूत करने के लिए बंधक करार द्वारा बंधक कर दिया है।

Whereas by an indenture of mortgage, dated the.....Day of19..... and made Between the Mortgagor of the one part of the one part of the Mortgagee of the other part and registered at..... in Book.....volume..... pages toas No..... for.....(hereinafter called the Principle Indenture). The Mortgagor by the said principal Indenture mortgaged the property at.....and more particularly described in the Schdule hereunder written to the Mortgagee to secure an advance of Rs.....made by the Mortgagee to the Mortgagor

मूल करार की प्रतिभूति पर शोध्य और देय सब धन का पूरा संदाय कर दिया गया है और तदनुसार, बंधनकर्ता के अनुरोध पर बंधकदार इसमें इसके आगे अंतर्विष्ट रूप में बंधक परिसर का प्रतिहस्तांतरण विलेख निष्पादित करने के लिए सहमत हो गया है। यह विलेख इस बात का साक्षी है कि उक्त करार के अनुसरण में और उपर्युक्त के प्रतिफलस्वरूप बंधकदार में स्थित उक्त संपूर्ण भू-खंड का, जो मूल करार से समाविष्ट है और जिसका विशिष्ट रूप में वर्णन इसमें आगे लिखी अनुसूची में किया गया है, उसके उन अधिकारी, सूखाचारों और अनुलग्नकों सहित, जो मूल करार में उल्लिखित हैं तथा मूल करार के आधार पर उक्त परिसर में, उसमें से या उस प्रतिहस्तांतरण की सभी संपदा, अधिकार हक, हित संपत्ति, दावे और मांग का इसके द्वारा बंधककर्ता को अनुदान; समनुदेशन और प्रतिहस्तांतरण करता है। इसके द्वारा बंधककर्ता को और उसके उपयोग के लिए जिस परिसर का अनुदान; समनुदेशन और प्रतिहस्तांतरण किया जाना अभिव्यक्त है, उसे बंधककर्ता उक्त मूल करार द्वारा प्रतिभूत किए जाने के लिए आशयित सी धन और उक्त धन या उसके किसी भाग के लिए या इसके संबंध में अथवा मूल करार के या परिसर की बाबत किसी चीज के संबंध में सभी अनुयोजनों, वादों, लेखाचारों, दावों और मांगों से निर्मुक्त रूप से प्राप्त और धारण करेगा। बंधकदार इसके द्वारा बंधककर्ता से प्रसंविदा करता है कि उसने (बंधकदार ने) न तो ऐसी कोई बात की है, न जान बूझकर सहन की है, और न उसमें पक्षकार या संसर्गी रहा है जिससे उक्त परिसर या उसका कोई भाग हक, संपदा की बाबत या अन्यथा अधिक्षिप्त, विल्लंगमित या प्रभावित होता है या किया जा सकता है। इसके साक्ष्यस्वरूप बंधकदार ने अपनी ओर से द्वारा इस पर ऊपर सर्वप्रथम लिखी तारीख को हस्ताक्षर करता दिए हैं।

AND WHEREAS ALL MONEYS due and owing to the security of the PRINCIPAL INDENTURE have been fully paid and satisfied and the Mortgagee has accordingly at the request of the Mortgagor agreed to execute reconveyance of the Mortgaged premises as in hereinafter contained, Now THIS INDENTURE WITNESSETH that in pursuance of the said agreement and consideration of the premises the Mortgagee both hereby grant, assign and reconvey into the Mortgagor, ALL THAT THE piece of land situated at and comprised in the said. principal Indenture and more particularly described in the schedule hereunder written with their rights, easements and appurtenances as in Principal Indenture expressed and all the estates right title interest property claim and demand whatsoever of the Mortgagee into out of or upon the said premises by virtue of the principal Indenture to have and to hold at the premises here before expressed to be hereby granted, assigned and reconveyed unto and to the use of the Mortgagor, for even freed and discharged from all moneys intended to be secured by the said Principal Indenture and from all actions, suits accounts, claims and demands for, or in respect of, the said moneys or any part thereof for, or in respect of, the PRINCIPAL INDENTURE OR of anything relating to the premises AND THE Mortgagee hereby covenants with Mortgagor that the Mortgagee has not done or knowingly suffered of been party or privy to anything where by the said premises or any part thereof, are/is or can be impeached, incumbered or effected in title estate or otherwise howsoever, IN WITNESS, whereof the Mortgagee has caused..... on his behalf to sent his hand the day and year first above written

अनुसूची जिसका ऊपर उल्लेख किया गया है
SCHEDULE ABOVE REFERRED TO

बंधकदार भारत के राष्ट्रपति के लिए और उसकी ओर से ने
Signed by..... for and on behalf of the Morgagee President of India.

(हस्ताक्षर)
Signature
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से
(For and on behalf of the President of India)

की उपस्थिति में :
In the Presence of :

(1) (प्रथम साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय) (साक्षी के हस्ताक्षर)

1st witness :

Address :

Occupation :

In the Presence of :

(1) (द्वितीय साक्षी का नाम, पता और व्यवसाय) (साक्षी के हस्ताक्षर)

2nd witness :

Address :

Occupation :